

इंडियन डेज़र्ट कैट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के 'पनना टाइगर रज़िर्व' (PTR) में पहली बार एक 'इंडियन डेज़र्ट कैट' को देखा गया है।

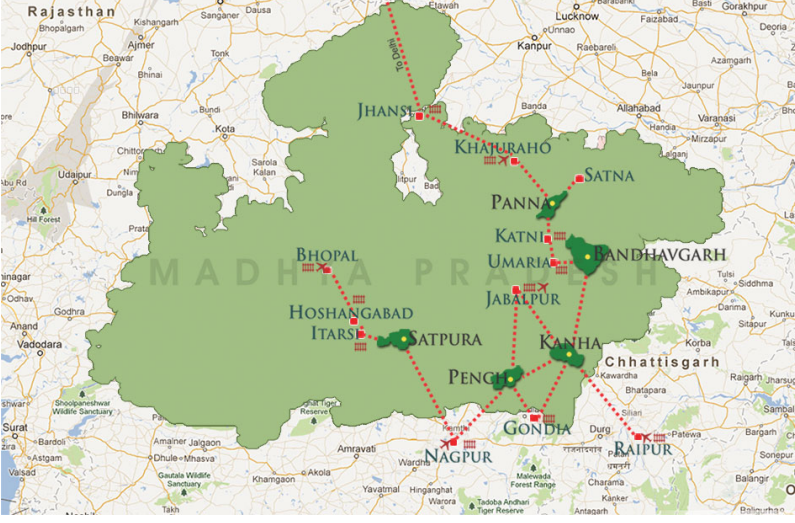
- 'इंडियन डेज़र्ट कैट' को एशियाटिक वाइल्ड कैट या एशियन स्टेपी वाइल्ड कैट के नाम से भी जाना जाता है।



प्रमुख बट्टि

- **वैज्ञानिक नाम:** फेलिस सलिवेस्ट्रिस ओरनाटा
- **परिचय:**
 - यह आमतौर पर राजस्थान के थार रेगसिस्तान का एक प्राणी है और झाड़ीदार रेगसिस्तानी इलाकों में पाया जाता है।
 - यह बलिली पश्चिमी भारत के शुष्क और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में पाई जाती है जिसमें गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र (पुणे व नागपुर) शामिल हैं।
 - यह बलिली रेगसिस्तान में पाई जाती है और पानी के बनिा भी जीवति रह सकती है।
 - इन प्रजातियों के पैर की उंगलियों में कुशन जैसे बाल होते हैं जो इसे उतार-चढ़ाव वाले रेगसिस्तानी तापमान को संतुलति करने में मदद करते हैं।
- **प्राकृतिक वास:**
 - यह अधिकतर स्क्रब रेगसिस्तान में 2,000-3,000 मीटर की ऊँचाई तक, पर्याप्त वनस्पतिवाले पहाड़ी क्षेत्रों, साथ ही समशीतोष्ण जंगलों में पाई जाती है।
 - एशियाई जंगली बलिली आमतौर पर जल स्रोतों के करीब रहती है, लेकिन कम पानी वाले क्षेत्रों में भी रह सकती है।
 - यह विशाल रेगसिस्तानों, घने जंगलों और गहरी बर्फ में भी बच जाती है।
- **खतरा:**
 - इसके सुंदर मुलायम फर होते हैं, इसलिये अंतर्राष्ट्रीय फर व्यापार में इसकी सबसे अधिक मांग है।
 - घरेलू बलिलियों के साथ संकरण से आनुवंशिक गुणों का नुकसान हो सकता है और इसलिये इसे मुख्य खतरों में से एक माना जाता है। पाकसिस्तान और मध्य एशिया से संकरण की सूचना मलिी थी तथा यह भारत में भी एक बड़ी समस्या है।
 - एक अन्य महत्त्वपूर्ण खतरा मानव संघर्ष से संबंधति अवैध शिकार है।
 - आवास वनिाश और आवास की गुणवत्ता में कमी महत्त्वपूर्ण मुद्दे बने हुए हैं। भूमि उपयोग में बदलाव के कारण एशियाई जंगली बलिली भारी दबाव में है।
 - कृतक और अन्य रसायनों से भी इन्हें खतरा है।
- **सुरक्षा की स्थिति:**
 - **IUCN रेड लसिट:** कम संकटग्रस्त
 - **CITES:** परशिषिट-II
 - **वन्यजीव संरक्षण अधनियिम:** अनुसूची-I

पन्ना टाइगर रज़िर्व



■ अवस्थिति:

- मध्य प्रदेश के पन्ना और छतरपुर ज़िलों में लगभग 576 वर्ग किलोमीटर में फैले पन्ना टाइगर रज़िर्व (Panna Tiger Reserve) में बाघों की वर्तमान आबादी 55 तक पहुँच गई है।
- पन्ना टाइगर रज़िर्व की स्थापना 1981 में हुई थी।
- इस रज़िर्व को भारत के 22वें टाइगर रज़िर्व के रूप में शामिल किया गया था।
- केन-बेतवा नदी को जोड़ने की परियोजना टाइगर रज़िर्व के भीतर स्थिति होगी।

■ मान्यता:

- जुलाई 2021 में PTR को बाघ संरक्षण और प्रबंधन के लिये स्थापित अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने हेतु राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा सुनिश्चित संरक्षण बाघ मानक (CAITS) प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने 25 अगस्त, 2011 को पन्ना टाइगर रज़िर्व को बायोस्फीयर रज़िर्व के रूप में नामित किया।

■ मध्य प्रदेश में अन्य टाइगर रज़िर्व:

- संजय-दुबरी
- [सतपुड़ा](#)
- [बांधवगढ़](#)
- माधव राष्ट्रीय उद्यान
- [पेंच टाइगर रज़िर्व](#)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस